

श्रीमती इन्दिरा गांधी : उन के भाषण से मेरे ऊपर यह भ्रसर हुआ कि जब इतने देश हमारे खिलाफ हो गये हैं तो हम रूस से भी लड़ ले जिस में वह भी खिलाफ हो जाये। दूसरे उन को लगा कि 1954 में जो कुछ हुआ था उन्ही परिस्थितियों में भ्रव की बार हमारा रिएक्शन भ्रलग है। मगर तब से भ्रव दुनिया बिल्कुल बदल गई है। उस समय रूस और अमरीका दोनों एक दूसरे से लड़ने को तैयार थे। उस वक्त उन दोनों के बीच में जो तनाव था वह भ्रव बहुत कम हुआ है और बहुत से मामलों में वह संग संग काम कर रहे हैं। तो दुनिया की जो हालत तब थी वह काफी बदली है। जैसा मैंने पहले कहा हमारी भी हालत बदली है चाहे इस समय हम अपने पैगों पर पूरी तरह से नहीं खड़े हो सकते हैं लेकिन तब भी इस दिशा में हम काफी आगे बढ़े हैं और हम को प्रयत्न करना चाहिये कि हम जल्दी अपने लक्ष्य तक पहुँच जायें।

हमारे प्रेजिडेंट जो रूस गये थे उस के बारे में माननीय सदस्य ने कहा कि ज्वाइंट कम्यूनिक में क्यों यह नहीं कहा गया। तो ज्वायेंट कम्यूनिके में ध्राम तौर पर डिसेंटिंग नोट्स नहीं होते हैं।

श्री मधु लिमये : ऐसा होता है। प्रधान मंत्री का निवेदन में काट सकता हूँ। जब किसी चीज पर मतक्य सम्भव नहीं होता है तब हमेशा यह परम्परा रही है कि दोनों अपनी अपनी बातें रखते हैं।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : सवाल यह है कि इस समय हमारे देश के और विश्व के इंटरैस्ट में क्या है। जो भी हम कहे या करें उस को हमें इसी दृष्टिकोण से देखना है। यह नहीं कि गुस्ते में आकर कोई भी ऐसी बात करें जिस में हम को हानि हो। जैसा मैं ने कहा कि हम को यह पसन्द नहीं है कि रूस पाकिस्तान को हथियार दे लेकिन हम को कोई हक नहीं है कहने का कि वह हथियार न दे।

श्री मधु लिमये : वह दूसरी बात है।
(ध्वजधान)

श्री बलराज मधोक : ध्रार ताशकन्द न होता तो हक न हीता, लेकिन ताशकन्द हुआ इस लिये हक है।

श्री मधु लिमये : मेरे पहले प्रश्न का जवाब ध्राना चाहिये। मैं ने पहले कहा था कि सरकारी प्रवक्ता रूस की नीति के बारे में क्यों बयान देते थे। मेरे प्रश्न का जवाब नहीं ध्रया।

MR. SPEAKER: If such a long speech is made, I am myself not able to locate the question.

श्री मधु लिमये : मैंने साफ शब्दों में कहा था कि सरकारी प्रवक्ता रूसी नीति के बारे में समय समय पर बयान दे कर कहते थे कि कोई परिवर्तन नहीं है। कभी रशियन्स ने ऐसा नहीं कहा। मैं जानना चाहता हूँ कि विदेश मंत्रालय गलतफहमी फैलाने का काम क्यों करता है।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : हम ने यह रूसियों ने ही कहा था, और जहाँ तक मुझे याद है जब भी मैंने यह बात कही तब मैं ने जरूर कहा कि हम को वह विश्वास दिलाते हैं।

श्री मधु लिमये : हमारे ध्रनामिक प्रवक्ता होते हैं जो सरकार की ध्रार से हमेशा इस प्रकार की वकवास करते हैं। ध्रनामिक प्रवक्ताओं के बारे में मैं ने पूछा था। उस का जवाब ध्राना चाहिये और विदेश मंत्रालय को भविष्य में जिम्मेदारी से काम करना चाहिये।

12.54 hrs.

MOTION FOR ADJOURNMENT
SUPPLY OF ARMS BY USSR TO PAKISTAN

MR. SPEAKER: I have to inform the House that I have received 22 notices of Adjournment Motion on supply of arms by USSR to Pakistan.

I give my consent to the moving of the Adjournment Motion. Notices thereof have been received from Sarvashri Piloo Mody, K. L. Gupta, D. N. Patodia, R. K. Amin, N. K. Somani, M. R. Masani, Hardayal Devgun, Bal Raj Madhok, K. Lakkappa, Prakash Vir Shastri, Yashpal Singh, Hem Barua Om Prakash Tyagi, Kameshwar Singh, Tridib Chaudhuri, S. N. Dwivedi, Madhu Limaye, S. S. Kothari, Yajna Datt Sharma, Atal Bihari Vajpayee, Beni Shankar Sharma and Sumar Guha. Shri Piloo Mody may now ask for leave of the House to move the Motion. His notice reads as follows:—

“Failure of the Government of India's Foreign Policy as is evidenced from the Soviet Union's agreeing to supply arms including lethal weapons to Pakistan.”

SHRI PILOO MODY (Godhra): I beg to move for leave to move my adjournment motion.

MR. SPEAKER: Is leave to move the motion opposed?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND COMMUNICATIONS (DR. RAM SUBHAG SINGH): We oppose it. (*Interruptions.*) They can discuss it.

MR. SPEAKER: As leave is opposed, I ask Members who are in favour of leave being granted to rise in their seats.

SEVERAL HON. MEMBERS rose

MR. SPEAKER: I find that more than fifty Members have risen. Leave is granted. The adjournment motion will be taken up normally at 4 P. M. and normally 2½ hours are allotted. (*Interruptions.*) We may take half an hour or a quarter of an hour more. We shall take it up at 3 P. M. so that we may adjourn a little early.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : उप-विदेश मंत्री और वित्त मंत्री के खिलाफ मेरा विशेषाधिकार का सवाल है। उन्होंने हम लोगों को बहुत बुरा भला कहा है। कहा है कि यह विकृत है। आज कम से कम लोक सभा के सामने वह जाये।

MR. SPEAKER: I will not allow anything else now. I will not answer that point; it is not proper. There are a number of other motions. We go to the next business.

12.50 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

PRESIDENT'S PROCLAMATION re. STATE OF BIHAR, ETC.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): I beg to lay on the Table—

1. (i) A copy of the Proclamation dated the 29th June, 1968, issued by the President under article 356 of the Constitution, in relation to the State of Bihar published in Notification No. G. S. R. 1228 in Gazette of India dated the 29th June, 1968, under article 356 (3) of the Constitution.
- (ii) A copy of the Order dated the 29th June 1968, made by the President in pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of the above Proclamation.

2. A copy of the Report of the Governor of Bihar dated the 26th June, 1968, to the President.

[Placed in Library. See No. LT-1318 68].

ORDINANCES PROMULGATED DURING JUNE & JULY, 1968

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND COMMUNICATIONS (DR. RAM SUBHAG SINGH): I beg to lay on the Table a copy each of the following Ordinances, under provisions of article 123 (2) of the Constitution:—

- (1) The Advocate (Amendment) Ordinance, 1968 (No. 3 of 1968) promulgated by the President on the 5th June, 1968.